विवरण

1992-93, 1993-94 और 1994-95 (28.2.95 तक) के दौरान सरकार द्वारा कापार्ट को दी गई धनराशि तथा कापार्ट द्वारा स्वंयसेवी एजेंसियों को दी गई राशि

(रुपये करोड़ में)

योजना	1992-93		1993-94		1994-95 (28.2.95 तक)	
	मंत्रालय द्वारा कापार्ट को रिलीज की गई राशि	कापार्ट द्वारा स्वयंसेवी एजेंसियों को रिलीज की गई राशि	मंत्रालय द्वारा कापार्ट को रिलीज की गई राशि	कापार्ट द्वारा स्वयंसेवी एजेंसियों को रिलीज की गई राशि	मंत्रालय द्वारा कापार्ट को रिलीज की गई राशि	कापार्ट द्वारा स्वयंसेवी एजेंसियों को रिलीज की गई राशि
1	2	3	4	5	6	7
त्वरित ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम	7.50	9.72	16.99	12.58	15.00	13.06
जवाहर रोजगार योजना	12.00	8.30	10.00	10.76	6.00	6.96
केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम	6.00	4.52	8.59	9.54	9.00	5.94
गरीबी निवारण कार्यक्रम के लाभार्थियों का संगठन	1.40	1.77	2.50	2.44	2.50	1.66
ग्रामीण विकास में स्वैच्छिक कार्यों का संवर्धन	6.50	5.94	9.50	11.32	9.50	7.04
ग्रामीण महिला एवं शिशु विकास योजना (डवाकरा)	2.80	2.24	4.50	4.32	3.00	2.11
समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	1.20	0.76	1.43	1.22	1.50	1.54
ग्रामीण प्रोद्योगिकी विकास योजना	5.00	2.79	8.50	10.36	12.00	7.61
कुल:	42.40	36.04	62.01	62.54	58.50	49.92*

* इसके अलावा, कापार्ट की क्षेत्रीय समितियों को 3 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं।

भूमिहीन किसान

2818. **श्री अजीत जोगी:**
श्री सुशील बरोंगपा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 दिसम्बर, 1994 तक की स्थिति के अनुसार देश में भूमिहीन किसानों की राज्यवार संख्या कितनी है;

(ख) क्या इन किसानों को भूमि प्रदान करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास विभाग) (श्री उत्तमभाई एच० पटेल: (क) जनगणना के समय भूमिहीन किसानों के बारे में सूचना एकत्र नहीं की जाती है। तथापि 1991 की जनगणना के समय कृषि मजदूरों के सम्बन्ध में ब्यौरे एकत्र किए गए थे। देश में (जम्मू व कश्मीर को छोड़कर) कृषि मजदूरों की संख्या 74,597,744 थी। कृषि मजदूरों की राज्यवार संख्या विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिए)**

(ख) और (ग) भूमिहीन किसानों को भूमि उपलब्ध कराने के लिए किसी नई योजना पर विचार नहीं किया

जा रहा है। तथापि एक योजना पहले सी ही चल रही है जिसके अन्तर्गत भूमिहीन ग्रामीण गरीबों को अधिकतम सीमा से फालतू भूमि, परती भूमि तथा भूदान भूमि वितरित की जाती है। अब तक 51.04 लाख एकड़ अधिकतम सीमा से फालतू भूमि, 127.97 लाख एकड़ परती भूमि तथा 24.42 लाख एकड़ भूदान भूमि वितरित की जा चुकी है।

विवरण

कृषि मज़दूरों की राज्य-वार संख्या

क्रम संख्या	भारत/राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्र	कृषि मजदूर
	भारत (राज्य जम्मू व कश्मीर को छोड़कर)	74,597,744
	राज्य	
1.	आंध्र प्रदेश	11,625,159
2.	अरुणाचल प्रदेश	20,054
3.	असम	844,964
4.	बिहार	9,512,892
5.	गोआ	35,284
6.	गुजरात	3,230,547
7.	हरियाणा	896,782
8.	हिमाचल प्रदेश	58,668
9.	कर्नाटक	4,999,959
10.	केरल	2,120,452
11.	मध्य प्रदेश	5,863,029
12.	महाराष्ट्र	8,313,223
13.	मणिपुर	47,350
14.	मेघालय	89,492
15.	मिजोरम	9,527
16.	नागालैंड	7,233
17.	उड़ीसा	2,976,750
18.	पंजाब	1,452,828
19.	राजस्थान	1,391,670
20.	सिक्किम	12,851
21.	तमिलनाडु	7,896,295
22.	त्रिपुरा	187,538
23.	उत्तर प्रदेश	7,833,258
24.	पश्चिम बंगाल	5,055,478
	केन्द्र शासित क्षेत्र	
1.	अंडमान व निकोबार	4,989
2.	चण्डीगढ़	1,642
3.	दादर व नगर हवेली	6,233
4.	दमन व दीव	1,199
5.	दिल्ली	25,195
6.	लक्षद्वीप	—
7.	पांडिचेरी	77,203

स्रोत:—भारत की जनगणना, 1991, 1992 के अंतिम जनसंख्या आंकड़े (तालिका-4) की शृंखला-1, पत्र-2

देश में परती भूमि का क्षेत्रफल

2819. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में विशाल भूमि क्षेत्र परती भूमि के रूप में पड़ा हुआ है;

(ख) यदि हां, तो सरकारी प्राकलन के अनुसार देश में परती भूमि का क्षेत्रफल कितना है और यह देश की उर्वरा कृषि भूमि का कितना प्रतिशत है;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले दशक में राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड की स्थापना की गई थी, जिससे देश में परती भूमि को कृषि योग्य भूमि में परिवर्तित करने का दायित्व वहन करने की अपेक्षा की गई थी;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकारी योजना के अनुसार राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड की स्थापना किये जाने के पश्चात् देश में परती भूमि के क्षेत्रफल में कमी आई है;

(ङ) यदि हां, तो कितने प्रतिशत भूमि को कितने वर्षों में कृषि योग्य बनाया गया है; और

(च) क्या सरकार के पास देश की शेष परती भूमि का कृषि योग्य बनाने की कोई समयबद्ध योजना है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (कर्नल राम सिंह): (क) और (ख) जी, हां, इस समय देश का विशाल क्षेत्र बंजर भूमि के अंतर्गत है। तथापि, देश में बंजरभूमि के फैलाव का कोई सही आधिकारिक अनुमान उपलब्ध नहीं है। लेकिन बंजरभूमि के क्षेत्रफल का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय बंजरभूमि विकास बोर्ड ने बंजरभूमि के विस्तृत मानचित्रण के लिए पहले ही बंजरभूमि पहचान परियोजना आरंभ की है। अब तक 237 जिलों को इस परियोजना के अंतर्गत कवर किया गया है। एक अनुमान के आधार पर 129.58 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र बंजरभूमि के अंतर्गत है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 39.42 प्रतिशत है।